



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रतिभार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 232] नई दिल्ली, सोमवार, मई 9, 1994/वैशाख 19, 1916
No. 232] NEW DELHI, MONDAY, MAY 9, 1994/VAISAKHA 19, 1916

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(ई. सी. बी. तथा निवेश प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मई, 1994

का. आ. 363(अ):—केन्द्रीय सरकार, कोचिन स्टाक एक्सचेंज लिमिटेड, कोचिन द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् “एक्सचेंज” कहा गया है) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियमावली, 1957 के नियम 7 के साथ पठित प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42वां) की धारा 3 के अन्तर्गत मान्यता के नवीकरण के लिए दिए गए आवेदन-पत्र पर विचार करने और उस बात से संतुष्ट होने के बाद, कि यह व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी होगा, अधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

नियमावली के नियम 7 के साथ पठित एतद्द्वारा एक्सचेंज की धारा 4 के अधीन 10 मई, 1994 से आरम्भ होने वाली और 9 मई, 1997 को समाप्त होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रतिभूतियों के संविदाओं के संबंध में ऐसी शर्तों के अधीन, यदि कोई हों, जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर लगाती है, मान्यता प्रदान करती है।

[एफ. सं. 1/16/एस. ई./94]]

पी. जे. नायक, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
(FCB & Investment Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th May, 1994

S.O. 363(E)—The Central Government, having considered the application for renewal of recognition made under Section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), read with rule 7 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, by the Cochin Stock Exchange Limited, Cochin (hereinafter referred to as the Exchange) and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in public interest and in exercise of the powers conferred by section 4 of the Act, read with rule 7 of the Rules, hereby grants recognition to the Exchange under section 4 of the Act for a further period of three years commencing on the 10th May, 1994 and ending with the 9th May, 1997 in respect of contracts in securities, subject to such conditions, if any, as the Central Government may from time to time impose.

[F. No. 1/16/SE/94]

P. J. NAYAK, It. Secy.